CBSE Class 9 Social Science Important Questions Geography Chapter 5 प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
जैव विविधता किसे कहते हैं?
उत्तर:
किसी प्राकृतिक प्रदेश में मिलने वाले पालतू एवं जंगली जीव-जन्तुओं तथा वनस्पतियों की विभिन्नता की बहुलता को जैव विविधता कहते हैं।

प्रश्न 2.
विश्व के बड़े जैव विविधता वाले मुख्य कितने देश हैं?
उत्तर:
12 देश।

प्रश्न 3.
भारत में सबसे अधिक क्षेत्र पर कौन-से प्रकार के वन फैले हुए हैं?
उत्तर:
उष्णकटिबन्धीय पर्णपाती वन।

प्रश्न 4.
ऊँट कहाँ पाये जाते हैं?
उत्तर:
थार मरुस्थल में।

प्रश्न 5.
एशियाई शेर कहाँ पाये जाते हैं?
उत्तर:
गुजरात के गिर वनों में।

प्रश्न 6.
यॉक कहाँ पाये जाते हैं?
उत्तर:
लद्दाख की बर्फीली पहाड़ियों में।

प्रश्न 7.
प्राकृतिक वनस्पति अथवा अक्षत वनस्पति किसे कहते हैं?
उत्तर:
वनस्पति का वह भाग जो मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होता है और लम्बे समय तक उस पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता, प्राकृतिक वनस्पति अथवा अक्षत वनस्पति कहलाती है।

प्रश्न 8.
देशज तथा विदेशज वनस्पति किसे कहते हैं?
उत्तर:
वह वनस्पति जो मूल रूप से भारतीय है 'देशज वनस्पति' कहलाती है तथा वे पौधे जो भारत के बाहर से लाये गये हैं वह 'विदेशज वनस्पति' कहलाती है।

प्रश्न 9.
जीवोम किसे कहते हैं?
उत्तर:
धरातल पर एक विशिष्ट प्रकार की वनस्पति या प्राणी जीवन वाले विशाल पारिस्थितिक तन्त्र को जीवोम अथवा बायोम कहते हैं।

प्रश्न 10.
उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वनों में कौनसे जीव पाये जाते हैं?
उत्तर:
उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वनों में प्रायः सिंह, सूअर, हिरण, हाथी, विविध प्रकार के पक्षी, छिपकली, साँप तथा कछुए पाये जाते हैं।

प्रश्न 11.
काँटेदार पेड़ एवं झाडियाँ कहाँ पाये जाते हैं?
उत्तर:
ये वनस्पतियाँ देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों समेत गुजरात के अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा में पाई जाती हैं।

प्रश्न 12.
काँटेदार वनों में पाये जाने वाले कुछ पादप एवं जन्तु प्रजातियों के नाम बताइए।
उत्तर:

- जन्तु प्रजाति : बाघ, शेर, लोमड़ी, भेड़िया, चूहा, खरगोश, जंगली गधा, घोड़ा, ऊँट।
- पादप प्रजाति : बबूल, खजूर, यूफोरबिया, कैक्टाई।

प्रश्न 13.
पर्वतीय क्षेत्रों में किस तरह की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं?
उत्तर:

- आर्द्र-शीतोष्ण कटिबन्धीय वन
- शीतोष्ण कटिबन्धीय वन
- शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान
- अल्पाइन वनस्पति।

प्रश्न 14.
आर्द्र शीतोष्ण कटिबन्धीय वन के किन्हीं दो पेड़ों के नाम बताइए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

ओक एवं चेस्टनट।

प्रश्न 15.
शंकुधारी वन कहाँ पाये जाते हैं?
उत्तर:
पर्वतों के ढलानों में जहाँ मृदा की परत गहरी होती है, वहाँ शंकुधारी वन पाये जाते हैं।

प्रश्न 16.
चार शंकुधारी पेड़ों के नाम बताइए।
उत्तर:
चीड़, देवदार, सिल्वर-फर, स्यूस।

प्रश्न 17.
पर्वतीय वनों में पाये जाने वाले कुछ सामान्य जन्तुओं के नाम बताइए।
उत्तर:
कश्मीरी महामृग, चित्तीदार हिरण, जंगली भेड़, खरगोश, हिम तेंदुआ, लाल पांडा।

प्रश्न 18.
मैंग्रोव वन कहाँ पाये जाते हैं?
उत्तर:
मैंग्रोव वन गंगा, महानदी, कृष्णा तथा कावेरी नदियों के द्वारा निर्मित डेल्टा क्षेत्रों में पाये जाते हैं।

प्रश्न 19.
मैंग्रोव वनों का प्रसिद्ध वृक्ष कौनसा है?
उत्तर:
सुन्दरी वृक्ष।

प्रश्न 20.
भारत में पादपों एवं जन्तुओं का वितरण किन तत्त्वों द्वारा निर्धारित होता है?
उत्तर:
भारत में पादपों एवं जन्तुओं का वितरण धरातल और जलवायु द्वारा निर्धारित होता है।

प्रश्न 21.
भारत में औषधि के रूप में प्रयुक्त होने वाले कोई चार पादपों के नाम बताइए।
उत्तर:

- सर्पगंधा
- नीम
- तुलसी
- जामुन।

प्रश्न 22.
भारत जीव सुरक्षा अधिनियम कब लागू किया गया?
उत्तर:
भारत जीव सुरक्षा अधिनियम सन् 1972 में लागू किया गया।

प्रश्न 23.
मगरमच्छ की प्रजाति का प्रतिनिधि जीव जो विश्व में केवल भारत में पाया जाता है, कौनसा है?
उत्तर:
घड़ियाल।

प्रश्न 24.
कोई दो जीव-मण्डल निचयों के नाम बताइए।
उत्तर:

- सुन्दर वन (पश्चिम बंगाल)
- नंदा देवी (उत्तराखण्ड)।

प्रश्न 25.
भारतीय प्राकृतिक वनस्पति में आये बदलाव के प्रमुख कारण लिखिए।
उत्तर:

- कृषि के लिए अधिक क्षेत्र की माँग,
- उद्योगों का विकास,
- शहरीकरण की परियोजनाएँ,
- पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था।

प्रश्न 26.
विश्व संरक्षण संघ की लाल सूची के अनुसार औषधीय पादपों की क्या स्थिति है?
उत्तर:
लाल सूची के अन्तर्गत 352 पादपों की गणना की गई है जिनमें से 52 पादप अति संकटग्रस्त हैं तथा 49 पादपों को विनष्ट होने का खतरा है।

प्रश्न 27.
हिमरेखा क्या है?
उत्तर:
यह एक काल्पनिक रेखा है जिसके ऊपर के क्षेत्र में कभी बर्फ नहीं पिघलती है। यह क्षेत्र सदैव बर्फ से ढका रहता है।

प्रश्न 28.
पारिस्थितिकीय तंत्र के असन्तुलन के कोई दो कारण लिखिये।
उत्तर:

- वनों की अंधाधुंध कटाई

https://www.evidyarthi.in/

- शिकार करना।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
भारत में पायी जाने वाली जैव विविधता की विशेषताएँ बतलाइए।
उत्तर:
भारत में पाई जाने वाली जैव विविधता की विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं-

- भारत विश्व के मुख्य 12 जैव विविधता वाले देशों में से एक है।
- यहाँ लगभग 47,000 विभिन्न जातियों के पौधे पाये जाते हैं। इस दृष्टि से भारत विश्व में दसवें स्थान पर तथा एशिया में चौथे स्थान पर है।
- भारत में लगभग 15,000 फूलों के पौधे हैं, जो विश्व में फूलों के पौधों का 6 प्रतिशत है।
- भारत में जीवों की 90,000 प्रजातियाँ मिलती हैं।
- भारत में 2000 से अधिक पक्षियों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। यह कुल विश्व का 13 प्रतिशत है।
- भारत में मछलियों की 2546 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जो विश्व की लगभग 12 प्रतिशत है।

प्रश्न 2.
मनुष्य के लिए वनों की आवश्यकता के कारण बतलाइये।
उत्तर:
मनुष्य के लिए वनों की आवश्यकता के प्रमुख कारण निम्न हैं-

- वन वातावरण की गुणवत्ता बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।
- वनों द्वारा स्थानीय जलवायु में रूपान्तरण, मृदा अपरदन पर नियन्त्रण तथा नदियों के प्रवाह का विनियमन किया जाता है।
- ये कई तरह के उद्योगों के आधार हैं। कई समुदायों के लिए आजीविका उपलब्ध कराते हैं।
- अपनी मनोरम प्राकृतिक छटा के कारण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
- ये पवन तथा तापमान को नियन्त्रित करते हैं तथा वर्षा में भी सहायक होते हैं।
- ये मनुष्य एवं वन्य-जीवन को मृदा एवं आश्रय उपलब्ध कराते हैं।

प्रश्न 3.
पारिस्थितिकी तन्त्र क्या है?
उत्तर:
पारिस्थितिकी तन्त्र-किसी भी क्षेत्र के पादप तथा प्राणी आपस में तथा अपने भौतिक पर्यावरण से अन्तर्सम्बन्धित होते हैं, ये सब मिलकर एक पारिस्थितिक तन्त्र का निर्माण करते हैं। अन्य शब्दों में, किसी क्षेत्र के भौतिक पर्यावरण तथा उसमें रहने वाले जीवों से मिलकर बने तन्त्र को पारिस्थितिक तन्त्र कहते हैं।

प्रश्न 4.
मानव किस प्रकार पारिस्थितिकी को प्रभावित करता है?
उत्तर:
मनुष्य भी अपने पारिस्थितिक तन्त्र का अविच्छिन्न भाग होता है। मानव निम्न प्रकार पारिस्थितिक तन्त्र को प्रभावित करता है-

- मनुष्य वन्य जीवन तथा वनस्पति का अपने लाभ के लिए प्रयोग करता है।
- खनिज संसाधनों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन करता है।
- वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई करता है।
- अपने स्वार्थ के कारण जानवरों का शिकार करता है।

इस प्रकार वह पारिस्थितिक तन्त्र में असन्तुलन पैदा करता है। मनुष्य के इन अविवेकी कार्यों के परिणामस्वरूप अनेक प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर आ गयी हैं।

प्रश्न 5.
उष्ण कटिबन्धीय कंटीले वन तथा झाड़ियों की कोई तीन विशेषताएँ बतलाइए।
उत्तर:
उष्ण कटिबन्धीय कंटीले वन तथा झाडियों की तीन विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं-

- ये वन 70 सेमी. से भी कम वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं।
- इन वनों में पेड़ छितराये हुए होते हैं तथा नमी प्राप्त करने के लिए इनकी जड़ें जमीन में गहराई तक पहुँची होती हैं।
- इन पेड़ों की पत्तियाँ अधिकतर मोटी तथा आकार में छोटी होती हैं ताकि वाष्पीकरण से जल हानि कम से-कम हो सके।

प्रश्न 6.
उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वनों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिये।
उत्तर:
उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

- ये वन 200 सेमी. से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं।
- इन वनों में वृक्षों की ऊँचाई 60 मीटर या उससे अधिक होती है।
- इन वनों में सभी प्रकार की वनस्पति एवं झाड़ियाँ, लताएँ उगती हैं।
- इन वनों में व्यापारिक महत्त्व के वृक्ष जैसे-आबनूस, रबड़, सिनकोना आदि मिलते हैं तथा हाथी, लंगूर, हिरण, बंदर आदि जानवर मिलते हैं।

प्रश्न 7.
गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा में पाई जाने वाली वनस्पति और वन्य जीवन का वर्णन करें।
उत्तर:
गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा में पाई जाने वाली वनस्पति-गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा में मैंग्रोव प्रकार की वनस्पति पाई जाती है। इस वनस्पति में पौधों की जड़ें पानी में डूबी रहती हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा में सुन्दरी वृक्ष पाये जाते हैं जिनसे मजबूत लकड़ी प्राप्त होती है। नारियल, ताड़, क्योड़ा एवं ऐंगार के वृक्ष भी इन भागों में पाये जाते हैं।

वन्य जीवन-इस क्षेत्र में विश्वप्रसिद्ध रॉयल बंगाल टाइगर पाया जाता है। इसके अलावा कछुए, मगरमच्छ, घडियाल एवं कई प्रकार के साँप पाये जाते हैं।

प्रश्न 8.
भारत में प्रवासी पक्षी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:

देश के बाहर से कुछ समय के लिए प्रवास करने आने वाले पक्षी प्रवासी पक्षी कहलाते हैं। भारत के कुछ दलदली भागों में प्रतिवर्ष प्रवासी पक्षी अपना डेरा जमाते हैं । शीत में साइबेरियन सारस बहुत संख्या में भारत आते हैं। राजस्थान में भरतपुर का केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान इनकी पसन्दीदा जगहों में से एक है। प्रवासी पक्षियों का एक मनपसन्द स्थान कच्छ का रन है। जिस स्थान पर मरुभूमि समुद्र से मिलती है वहाँ लाल सुन्दर कलंगी वाली फ्लैमिंगोए हजारों की संख्या में आती हैं और खारे कीचड़ के ढेर बनाकर उनमें घोंसले बनाती हैं और बच्चों को पालती हैं। देश में इस प्रकार के अनेकों दर्शनीय स्थल हैं।

प्रश्न 9.
हमारे देश में पादपों और जीवों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा किये गये किन्हीं तीन उपायों का वर्णन कीजिए।
अथवा
वन्य जीवन के संरक्षण के चार उपायों का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
हमारे देश में पादपों और जीवों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा निम्न उपाय किये गये हैं-

- सरकार ने देश में अठारह जीव-मण्डल निचय (आरक्षित क्षेत्र) स्थापित किए हैं।
- सन् 1992 से सरकार द्वारा पादप उद्यानों को वित्तीय तथा तकनीकी सहायता देने की योजना बनाई है।
- शेर संरक्षण, बाघ संरक्षण, गैंडा संरक्षण, भारतीय भैंसा संरक्षण तथा पारिस्थितिक तन्त्र के सन्तुलन के लिए अनेक योजनाएँ बनाई गई हैं।
- देश में 103 नेशनल पार्क, 535 वन्य प्राणी अभयवन और कई चिड़ियाघर राष्ट्र की पादप और जीव-सम्पत्ति की रक्षा के लिए बनाए गए हैं।

प्रश्न 10.
भारत में कितने जीव-मण्डल निचय (आरक्षित क्षेत्र) स्थापित किये गये हैं? उनके नाम दीजिए।
उत्तर:
भारत में अठारह जीव-मण्डल निचय स्थापित किये गये हैं। उनके नाम निम्न प्रकार हैं-

- सुन्दरवन
- सिमलीपाल
- मन्नार की खाड़ी
- दिहांग दिबांग
- नीलगिरी
- डिब्रू साइकवोवा
- नंदादेवी
- अगस्त्यमलाई
- नाकरेक
- कंचनजुंगा
- ग्रेट निकोबार
- पचमढ़ी
- मानस
- अचनकमर-अमरकंटक
- कच्छ

- ठंडा रेगिस्तान
- शेष अचलम
- पन्ना।

प्रश्न 11.
पादपों एवं जीवों का संरक्षण क्यों आवश्यक है?
उत्तर:
पादप, जीव एवं भौतिक पर्यावरण परस्पर अन्तर्सम्बन्धित होते हैं। इनमें असन्तुलन होने पर पारिस्थितिक तन्त्र बिगड़ जाता है। प्रत्येक प्रजाति का पारिस्थितिक तन्त्र में महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। इसलिए इनका संरक्षण अवश्य करना चाहिए।

प्रश्न 12.
पादपों एवं जीवों से होने वाले प्रमुख लाभ लिखिये।
उत्तर:
विभिन्न पादपों एवं जीवों से हमें निम्न लाभ हैं-

- विभिन्न पादप जातियों से ही हमने अपने खाने योग्य फसलें चुनी हैं।
- विभिन्न पादप जातियों से ही हमें अनेक औषधि पादप प्राप्त हुए हैं।
- पशु जगत से हमें ऐसे जानवर प्राप्त हुए हैं, जिन्हें पालतू बनाकर हम उनसे दूध प्राप्त करते हैं।
- जानवर हमें बोझा ढोने, कृषि कार्य तथा यातायात के साधन के रूप में मदद करते हैं।
- इनसे माँस एवं अण्डे भी प्राप्त होते हैं।
- मछली से पौष्टिक आहार मिलता है।
- बहुत से कीड़े-मकोड़े फसलों, फलों और वृक्षों के परागण में मदद करते हैं और हानिकारक कीड़ों पर जैविक नियन्त्रण रखते हैं।

प्रश्न 13.
भारत में औषधि के लिये प्रयोग किये जाने वाले प्रमुख पादपों का वर्णन कीजिए।
अथवा
औषधीय पादप में चार नाम देकर रोग निदान बताइये।
उत्तर:
भारत में औषधि के लिए प्रयुक्त कुछ प्रमुख पादप निम्न हैं-

- सर्पगन्धा-सर्पगंधा का प्रयोग रक्तचाप के निदान के लिए किया जाता है।
- जामुन-पके हुए जामुन से सिरका बनाया जाता है जो कि वायुसारी और मूत्रवर्धक है। इसके बीज से बना पाउडर मधुमेह रोग के काम आता है।
- अर्जुन-अर्जुन के ताजे पत्तों का निकाला हुआ रस कान के दर्द के इलाज में सहायता करता है । यह रक्तचाप की नियमितता के लिए भी लाभदायक है।
- बबूल-इससे प्राप्त गोंद का प्रयोग शारीरिक शक्ति की वृद्धि के लिए होता है।
- नीम-नीम जैव और जीवाणु प्रतिरोधक है।
- तुलसी पादप-जुकाम और खाँसी की दवा में इसका प्रयोग होता है।
- कचनार-यह फोड़ा (अल्सर) व दमा रोगों के लिए भी प्रयोग होता है।

https://www.evidyarthi.in/